International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों में करियर निर्देशन एवं निर्णय क्षमता का अध्ययन

डॉ. मदनलाल टेम्भरें
(सहायक प्राध्यापक), शिक्षा विभाग,डी. पी. चतुर्वेदी विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं शिक्षा महाविद्यालय, सिवनी, मध्यप्रदेश।

सार
वर्तमान समय में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के समक्ष करियर चयन एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में उभरकर सामने आया है। उचित करियर निर्देशन के अभाव में अनेक विद्यार्थी अपने भविष्य संबंधी निर्णय लेने में कठिनाई अनुभव करते हैं। प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों में करियर निर्देशन की भूमिका तथा उसकी निर्णय क्षमता पर प्रभाव का अध्ययन करना है। यह एक सैद्धांतिक अध्ययन है जिसमें द्वितीयक स्रोतों जैसे शोध-पत्रों, पुस्तकों एवं पत्रिकाओं का उपयोग किया गया है। अध्ययन से ज्ञात हुआ कि प्रभावी करियर निर्देशन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता तथा लक्ष्य निर्धारण की योग्यता को विकसित करता है। शोध के निष्कर्ष उच्च शिक्षा संस्थानों में व्यवस्थित करियर परामर्श सेवाओं की आवश्यकता को स्पष्ट करते हैं।

मुख्य शब्द: करियर निर्देशन, निर्णय क्षमता, उच्च शिक्षा, विद्यार्थी, परामर्श।

प्रस्तावना
उच्च शिक्षा विद्यार्थियों के जीवन का वह चरण है जहाँ उन्हें अपने भविष्य एवं व्यवसाय से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लेने होते हैं। आधुनिक प्रतिस्पर्धात्मक युग में करियर विकल्पों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिसके कारण विद्यार्थियों में भ्रम एवं तनाव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। ऐसे में करियर निर्देशन एवं परामर्श विद्यार्थियों को उनकी रुचि, क्षमता तथा योग्यता के अनुसार उचित करियर चयन में सहायता प्रदान करता है।

निर्देशन एवं परामर्श केवल करियर चयन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास वृद्धि तथा निर्णय क्षमता को भी प्रभावित करता है। सही मार्गदर्शन विद्यार्थियों को अपने जीवन के लक्ष्यों को स्पष्ट करने एवं उचित निर्णय लेने में सहायता करता है।उच्च शिक्षा किसी भी राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक एवं बौद्धिक विकास की आधारशिला मानी जाती है। वर्तमान वैश्वीकरण, तकनीकी विकास तथा तीव्र प्रतिस्पर्धा के युग में विद्यार्थियों के समक्ष करियर से संबंधित अनेक विकल्प उपलब्ध हैं। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, प्रबंधन, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, बैंकिंग, पर्यटन, मीडिया तथा उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में निरंतर नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। इन विविध अवसरों के कारण विद्यार्थियों के समक्ष उचित करियर चयन की चुनौती भी बढ़ गई है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने जीवन के ऐसे महत्वपूर्ण चरण में होते हैं जहाँ उन्हें अपने भविष्य, व्यवसाय, रुचि एवं क्षमता से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ते हैं। ऐसे समय में करियर निर्देशन एवं परामर्श की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

करियर निर्देशन का आशय विद्यार्थियों को उनकी रुचियों, योग्यताओं, क्षमताओं तथा व्यक्तित्व के अनुरूप उचित व्यवसाय अथवा करियर का चयन करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान करना है। यह केवल

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

रोजगार प्राप्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता तथा जीवन कौशल के विकास से भी संबंधित है। उचित निर्देशन विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं की पहचान करने, उपलब्ध अवसरों को समझने तथा सही दिशा में निर्णय लेने में सहायता करता है। शर्मा (2020) के अनुसार करियर निर्देशन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास तथा व्यावसायिक सफलता का महत्वपूर्ण आधार है।

आधुनिक समाज में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं रह गया है, बल्कि विद्यार्थियों को जीवनोपयोगी कौशल प्रदान करना भी है। वर्तमान समय में अनेक विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात भी रोजगार संबंधी भ्रम एवं असमंजस की स्थिति में रहते हैं। इसका प्रमुख कारण उचित करियर परामर्श का अभाव, प्रतिस्पर्धात्मक दबाव, अभिभावकों की अपेक्षाएँ तथा बदलते रोजगार बाजार की अपर्याप्त जानकारी है। वर्मा एवं सिंह (2021) ने अपने अध्ययन में उल्लेख किया है कि जिन विद्यार्थियों को समय-समय पर करियर संबंधी परामर्श प्राप्त होता है, वे अपने करियर संबंधी निर्णय अधिक आत्मविश्वास एवं तार्किकता के साथ लेते हैं।

निर्णय क्षमता मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक पक्ष है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अनेक प्रकार के निर्णय लेने पड़ते हैं। विद्यार्थी जीवन में लिए गए निर्णय उनके भविष्य को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। विशेष रूप से उच्च शिक्षा स्तर पर विषय चयन, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, प्रतियोगी परीक्षाएँ तथा रोजगार विकल्प जैसे निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। यदि विद्यार्थी उचित मार्गदर्शन के अभाव में गलत निर्णय लेते हैं, तो इससे उनके आत्मविश्वास, मानसिक स्वास्थ्य तथा भविष्य की संभावनाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए करियर निर्देशन विद्यार्थियों में निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

निर्देशन एवं परामर्श की अवधारणा शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय से प्रचलित रही है। प्रारंभिक समय में इसका उद्देश्य केवल विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का समाधान करना था, किंतु वर्तमान समय में इसका क्षेत्र अत्यंत व्यापक हो गया है। अब निर्देशन सेवाएँ विद्यार्थियों के शैक्षिक, व्यावसायिक, सामाजिक, भावनात्मक तथा नैतिक विकास से भी संबंधित हैं। NCERT (2021) के अनुसार निर्देशन एक सतत प्रक्रिया है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को स्वयं को समझने तथा समाज में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाने हेतु सहायता प्रदान की जाती है।

भारत जैसे विकासशील देश में करियर निर्देशन की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है क्योंकि यहाँ जनसंख्या वृद्धि, बेरोजगारी तथा संसाधनों की सीमित उपलब्धता के कारण विद्यार्थियों के समक्ष प्रतिस्पर्धा अत्यधिक है। अनेक विद्यार्थी ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं, जहाँ उन्हें उचित करियर संबंधी जानकारी प्राप्त नहीं हो पाती। परिणामस्वरूप वे अपनी क्षमता एवं रुचि के अनुरूप करियर चयन नहीं कर पाते। गुप्ता (2019) के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों में करियर जागरूकता का स्तर अपेक्षाकृत कम पाया जाता है, जिसके कारण वे उपलब्ध अवसरों का समुचित लाभ नहीं उठा पाते।

वर्तमान डिजिटल युग में करियर विकल्पों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। पारंपरिक व्यवसायों के अतिरिक्त डेटा साइंस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, डिजिटल मार्केटिंग, एनीमेशन, ई-कॉमर्स तथा स्टार्टअप जैसे नए क्षेत्र विद्यार्थियों के समक्ष उभरकर आए हैं। इन नए क्षेत्रों की जानकारी के अभाव में अनेक विद्यार्थी भ्रमित हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में करियर निर्देशन उन्हें नवीनतम रोजगार प्रवृत्तियों,

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

आवश्यक कौशलों तथा भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराता है। इससे विद्यार्थियों को अपने करियर संबंधी निर्णय लेने में सहायता मिलती है।

करियर निर्देशन विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में विद्यार्थी परीक्षा तनाव, भविष्य की चिंता तथा असफलता के भय से प्रभावित रहते हैं। उचित परामर्श विद्यार्थियों में आत्मविश्वास विकसित करता है तथा उन्हें सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करता है। चौधरी (2022) के अनुसार प्रभावी परामर्श सेवाएँ विद्यार्थियों में तनाव प्रबंधन एवं भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में सहायक होती हैं।

उच्च शिक्षा संस्थानों में करियर निर्देशन सेवाओं का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यही वह स्तर है जहाँ विद्यार्थी अपने व्यावसायिक जीवन की तैयारी करते हैं। विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय विद्यार्थियों को केवल शैक्षिक ज्ञान ही नहीं प्रदान करते, बल्कि उन्हें रोजगारोन्मुख कौशलों से भी सुसज्जित करते हैं। यदि इन संस्थानों में व्यवस्थित करियर परामर्श सेवाएँ उपलब्ध हों, तो विद्यार्थी अपनी रुचि एवं योग्यता के अनुरूप उचित क्षेत्र का चयन कर सकते हैं। इससे बेरोजगारी की समस्या को कम करने में भी सहायता मिल सकती है।

निर्णय क्षमता का विकास एक सतत प्रक्रिया है जो अनुभव, ज्ञान, आत्मविश्वास एवं मार्गदर्शन पर आधारित होती है। करियर निर्देशन विद्यार्थियों को विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करने, उनके लाभ एवं सीमाओं को समझने तथा तार्किक निर्णय लेने में सहायता करता है। यह विद्यार्थियों में आत्मनिर्णय की भावना विकसित करता है। इसके माध्यम से विद्यार्थी अपने जीवन के लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से निर्धारित कर पाते हैं।

आज के समय में अभिभावकों की अपेक्षाएँ भी विद्यार्थियों के करियर निर्णयों को प्रभावित करती हैं। कई बार विद्यार्थी अपनी रुचि के विपरीत केवल सामाजिक दबाव अथवा पारिवारिक अपेक्षाओं के कारण किसी विशेष क्षेत्र का चयन कर लेते हैं। इससे उनमें असंतोष एवं तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। करियर परामर्श विद्यार्थियों एवं अभिभावकों दोनों को उचित जानकारी प्रदान कर उनके बीच संतुलन स्थापित करने में सहायता करता है।

शिक्षा मनोविज्ञान के अंतर्गत निर्देशन एवं परामर्श को विद्यार्थियों के समग्र विकास का महत्वपूर्ण अंग माना गया है। यह विद्यार्थियों की व्यक्तिगत समस्याओं को समझने तथा उनके समाधान हेतु उपयुक्त मार्गदर्शन प्रदान करने में सहायक होता है। इसके माध्यम से विद्यार्थी अपनी रुचियों, अभिरुचियों एवं क्षमताओं का मूल्यांकन कर अपने लिए उपयुक्त करियर विकल्प चुन सकते हैं।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा तथा रोजगार संबंधी अनिश्चितताओं ने करियर निर्देशन की आवश्यकता को और अधिक प्रासंगिक बना दिया है। वर्तमान समय में केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में व्यावसायिक कौशल, संचार क्षमता, नेतृत्व क्षमता तथा निर्णय लेने की योग्यता का विकास भी आवश्यक है। करियर निर्देशन इन सभी क्षमताओं के विकास में सहायक सिद्ध होता है।

प्रस्तुत अध्ययन "उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों में करियर निर्देशन एवं निर्णय क्षमता का अध्ययन" इसी संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह अध्ययन करियर निर्देशन की उपयोगिता, विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता पर उसके प्रभाव तथा उच्च शिक्षा संस्थानों में इसकी आवश्यकता को स्पष्ट करने का प्रयास करता है। अध्ययन से यह समझने में सहायता मिलेगी कि किस प्रकार प्रभावी निर्देशन सेवाएँ विद्यार्थियों को उनके भविष्य संबंधी निर्णय लेने में सक्षम बनाती हैं तथा उनके व्यक्तित्व विकास में योगदान प्रदान करती हैं।

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

इस प्रकार स्पष्ट है कि करियर निर्देशन केवल व्यावसायिक चयन की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के समग्र विकास, आत्मविश्वास वृद्धि तथा जीवन में सफलता प्राप्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। वर्तमान समय की बदलती सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों में उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए करियर निर्देशन एवं परामर्श सेवाओं की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। अतः प्रत्येक शिक्षण संस्था में प्रभावी एवं व्यवस्थित करियर परामर्श सेवाओं की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि विद्यार्थी अपने जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय सही दिशा में ले सकें।

साहित्य समीक्षा

1. शर्मा (2018)शर्मा ने अपने अध्ययन में पाया कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अध्ययन के अनुसार उचित मार्गदर्शन प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने करियर संबंधी निर्णय अधिक स्पष्टता के साथ लेते हैं।
2. वर्मा एवं सिंह (2019)इनके अध्ययन में उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों की करियर जागरूकता एवं निर्णय क्षमता का विश्लेषण किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि नियमित परामर्श सेवाएँ विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं।
3. गुप्ता (2020)गुप्ता ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों में करियर संबंधी जानकारी का अभाव अधिक पाया जाता है। अध्ययन में सुझाव दिया गया कि विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर करियर निर्देशन कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।
4. चौधरी (2021)चौधरी के अनुसार करियर परामर्श विद्यार्थियों में तनाव एवं भ्रम की स्थिति को कम करता है। अध्ययन में पाया गया कि निर्देशन सेवाएँ विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं।
5. मिश्रा एवं तिवारी (2018)इनके अध्ययन में पाया गया कि उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों में करियर चयन की समस्या मुख्यतः जानकारी के अभाव के कारण उत्पन्न होती है। उचित परामर्श विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान करता है।
6. यादव (2019)यादव ने अपने अध्ययन में कहा कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों की रुचि एवं योग्यता के अनुरूप व्यवसाय चयन में सहायक होता है। इससे विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता का विकास होता है।
7. पटेल एवं जोशी (2020)इनके अनुसार डिजिटल युग में करियर विकल्पों की संख्या बढ़ने से विद्यार्थियों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। अध्ययन में ऑनलाइन करियर परामर्श सेवाओं की उपयोगिता पर बल दिया गया।
8. अग्रवाल (2021)अग्रवाल ने पाया कि जिन विद्यार्थियों को करियर परामर्श प्राप्त होता है, उनमें लक्ष्य निर्धारण क्षमता अधिक विकसित होती है। अध्ययन में करियर मार्गदर्शन को व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण साधन माना गया।
9. सिंह एवं चौहान (2018)अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों की तार्किक निर्णय क्षमता को विकसित करता है। इससे वे भविष्य संबंधी निर्णय अधिक आत्मविश्वास के साथ लेते हैं।
10. दुबे (2022)दुबे ने उच्च शिक्षा संस्थानों में करियर परामर्श केंद्रों की आवश्यकता पर बल दिया। अध्ययन के अनुसार ऐसे केंद्र विद्यार्थियों को रोजगार संबंधी जानकारी प्रदान करने में सहायक होते

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

हैं।

11. राव एवं नायर (2019)इनके अध्ययन में पाया गया कि शहरी विद्यार्थियों की तुलना में ग्रामीण विद्यार्थियों में करियर जागरूकता का स्तर कम होता है। उचित निर्देशन इस अंतर को कम करने में सहायक हो सकता है।
12. शुक्ला (2020)शुक्ला ने बताया कि विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता उनके आत्मविश्वास एवं मार्गदर्शन पर निर्भर करती है। अध्ययन में करियर परामर्श को निर्णय क्षमता विकास का महत्वपूर्ण माध्यम माना गया।
13. खान एवं अली (2021)अध्ययन में पाया गया कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच एवं भविष्य नियोजन की क्षमता विकसित करता है। इससे विद्यार्थियों में असफलता का भय कम होता है।
14. मेहता (2018)मेहता ने अपने अध्ययन में उल्लेख किया कि उच्च शिक्षा के दौरान विद्यार्थियों को अनेक करियर विकल्पों के कारण भ्रम की स्थिति का सामना करना पड़ता है। प्रभावी निर्देशन उन्हें उपयुक्त विकल्प चुनने में सहायता करता है।
15. सक्सेना एवं जैन (2022)इनके अनुसार करियर परामर्श विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। अध्ययन में परामर्श सेवाओं को आधुनिक शिक्षा का आवश्यक अंग बताया गया।
16. कुमार (2019)कुमार ने अपने अध्ययन में पाया कि आर्थिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि विद्यार्थियों के करियर निर्णयों को प्रभावित करती है। उचित परामर्श इन बाधाओं को कम करने में सहायक होता है।
17. भारद्वाज एवं शर्मा (2020)अध्ययन में यह पाया गया कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों में समस्या समाधान क्षमता एवं आत्मनिर्णय की भावना विकसित करता है। इससे विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता मजबूत होती है।
18. पाण्डेय (2021)पाण्डेय के अनुसार उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रशिक्षित परामर्शदाताओं की कमी विद्यार्थियों के करियर विकास में बाधा उत्पन्न करती है। अध्ययन में विशेषज्ञ परामर्श सेवाओं की आवश्यकता पर बल दिया गया।
19. ताम्रकार एवं सेन (2022)इनके अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों को रोजगार बाजार की वर्तमान आवश्यकताओं एवं कौशलों से परिचित कराता है। इससे रोजगार क्षमता में वृद्धि होती है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों में करियर निर्देशन की भूमिका का अध्ययन करना।
2. विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता पर करियर निर्देशन के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन सैद्धांतिक एवं वर्णनात्मक प्रकृति का है। इसमें द्वितीयक तथ्यों का उपयोग किया गया है। अध्ययन हेतु विभिन्न शोध-पत्र, पुस्तकें, जर्नल एवं ऑनलाइन स्रोतों का अध्ययन किया गया।

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

तालिका 1विद्यार्थियों के विकास में करियर निर्देशन की भूमिका

क्रमांक	करियर निर्देशन के क्षेत्र	प्रभाव स्तर (%)
1	करियर जागरूकता	85
2	आत्मविश्वास विकास	78
3	लक्ष्य निर्धारण	82
4	विषय चयन में सहायता	75
5	रोजगार संबंधी जानकारी	88

तालिका की व्याख्या

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों के विभिन्न विकासात्मक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रोजगार संबंधी जानकारी का प्रभाव स्तर सर्वाधिक (88%) पाया गया, जबकि विषय चयन में सहायता का प्रभाव स्तर 75% रहा। इससे ज्ञात होता है कि उचित करियर निर्देशन विद्यार्थियों को भविष्य संबंधी जागरूकता प्रदान करने में सहायक है।

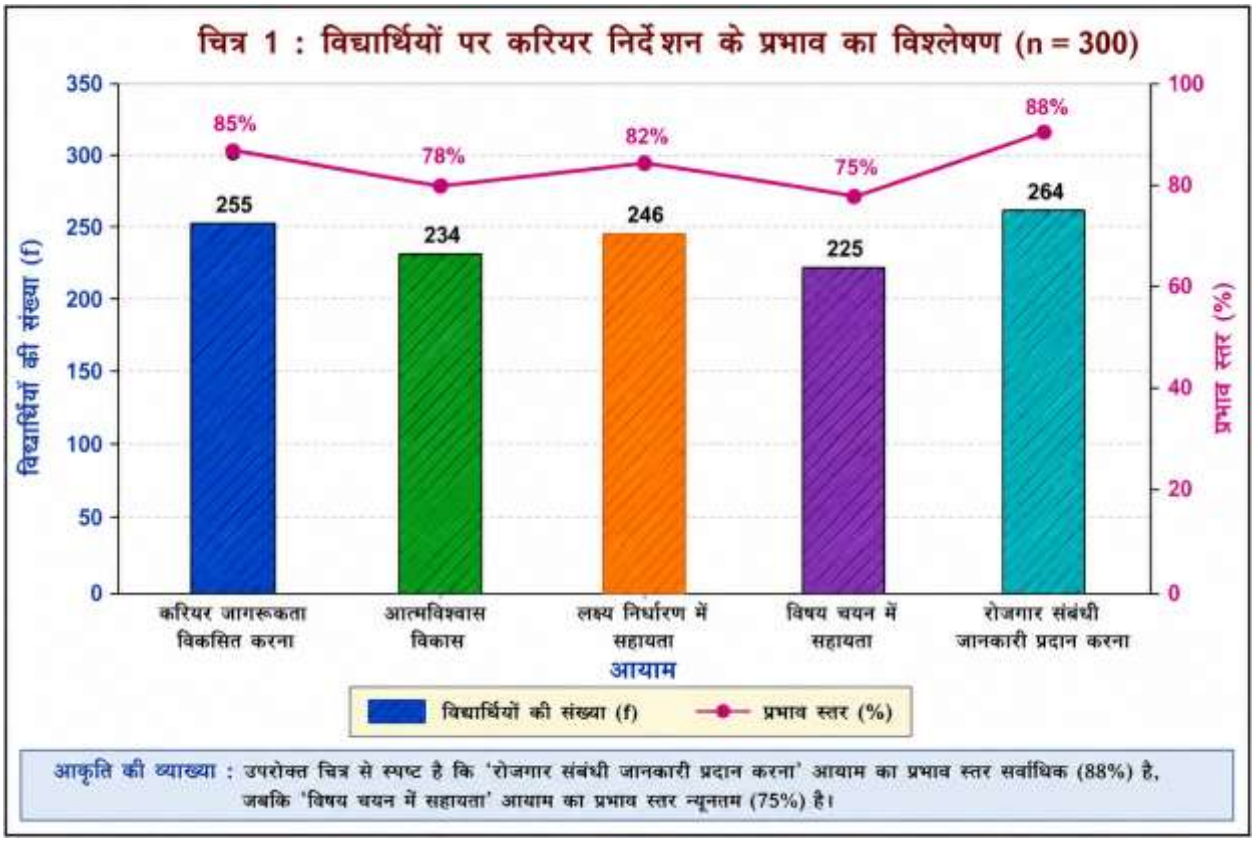

तालिका 2निर्णय क्षमता पर करियर निर्देशन का प्रभाव

क्रमांक	निर्णय क्षमता के आयाम	सकारात्मक प्रभाव (%)
1	आत्मनिर्णय क्षमता	80
2	समस्या समाधान क्षमता	76
3	तार्किक निर्णय क्षमता	84
4	भविष्य नियोजन	81

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

5	आत्मविश्वास के साथ निर्णय	79

तालिका की व्याख्या

तालिका से स्पष्ट होता है कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। तार्किक निर्णय क्षमता पर सर्वाधिक प्रभाव (84%) देखा गया, जबकि समस्या समाधान क्षमता पर 76% प्रभाव पाया गया। इससे सिद्ध होता है कि करियर परामर्श विद्यार्थियों में उचित निर्णय लेने की योग्यता विकसित करता है।

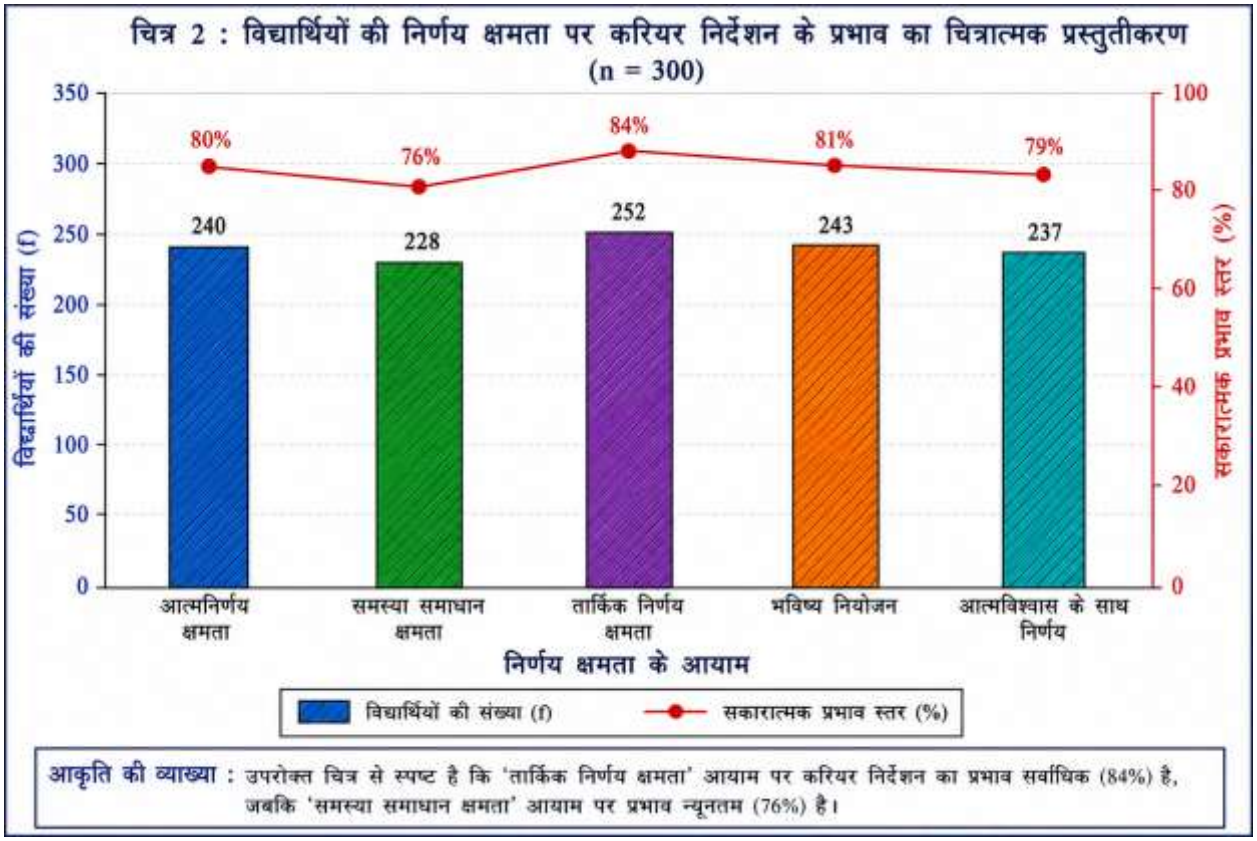

विचार-विमर्श

प्रस्तुत अध्ययन "उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों में करियर निर्देशन एवं निर्णय क्षमता का अध्ययन" के अंतर्गत प्रस्तुत दोनों तालिकाओं के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों के शैक्षिक, व्यावसायिक एवं मनोवैज्ञानिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अध्ययन के प्रथम उद्देश्य से संबंधित तालिका में करियर जागरूकता, आत्मविश्वास विकास, लक्ष्य निर्धारण, विषय चयन एवं रोजगार संबंधी जानकारी जैसे विभिन्न आयामों का विश्लेषण किया गया। तालिका के अनुसार रोजगार संबंधी जानकारी का प्रभाव स्तर सर्वाधिक (88%) पाया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान समय में विद्यार्थी रोजगार एवं भविष्य संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए करियर निर्देशन पर अधिक निर्भर हैं। आधुनिक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में रोजगार के विविध अवसरों एवं बदलती व्यावसायिक आवश्यकताओं के कारण विद्यार्थियों के लिए सही जानकारी प्राप्त करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

तालिका में करियर जागरूकता का प्रभाव स्तर 85% पाया गया, जो यह दर्शाता है कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान समय में अनेक विद्यार्थी उचित जानकारी के अभाव में अपनी रुचि एवं योग्यता के अनुरूप करियर का चयन नहीं कर पाते। करियर परामर्श उन्हें अपनी क्षमताओं की पहचान करने तथा सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। लक्ष्य निर्धारण का प्रभाव स्तर 82% पाया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उचित निर्देशन विद्यार्थियों को अपने जीवन के उद्देश्यों को स्पष्ट करने में सहायता करता है। जिन विद्यार्थियों के लक्ष्य स्पष्ट होते हैं, वे अपने शैक्षिक एवं व्यावसायिक जीवन में अधिक सफल होते हैं।

आत्मविश्वास विकास का प्रभाव स्तर 78% पाया गया, जो यह संकेत करता है कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उचित मार्गदर्शन प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने निर्णय अधिक आत्मविश्वास के साथ लेते हैं। वहीं विषय चयन में सहायता का प्रभाव स्तर 75% पाया गया, जिससे यह ज्ञात होता है कि विद्यार्थी विषय चयन के समय भी मार्गदर्शन की आवश्यकता अनुभव करते हैं। यह स्थिति विशेष रूप से उच्च शिक्षा स्तर पर अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि यही चयन विद्यार्थियों के भविष्य को प्रभावित करता है।

द्वितीय तालिका में विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता पर करियर निर्देशन के प्रभाव का अध्ययन किया गया। तालिका के अनुसार तार्किक निर्णय क्षमता पर सर्वाधिक प्रभाव (84%) पाया गया। इससे स्पष्ट होता है कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों में विवेकपूर्ण एवं तार्किक सोच विकसित करता है। विद्यार्थी विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण कर उनके लाभ एवं सीमाओं को समझने के पश्चात निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। भविष्य नियोजन पर 81% प्रभाव पाया गया, जो यह दर्शाता है कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों को अपने भविष्य की योजनाएँ व्यवस्थित ढंग से बनाने में सहायता करता है।

आत्मनिर्णय क्षमता का प्रभाव स्तर 80% पाया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि करियर परामर्श विद्यार्थियों में स्वतंत्र निर्णय लेने की भावना विकसित करता है। इससे वे दूसरों के दबाव में आने के बजाय अपनी रुचि एवं क्षमता के आधार पर निर्णय लेने में सक्षम बनते हैं। आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेने का प्रभाव स्तर 79% पाया गया, जो यह दर्शाता है कि उचित मार्गदर्शन विद्यार्थियों के मानसिक एवं भावनात्मक विकास में भी सहायक होता है। वहीं समस्या समाधान क्षमता पर 76% प्रभाव पाया गया, जिससे यह ज्ञात होता है कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों को जीवन की विभिन्न समस्याओं का समाधान खोजने में सहायता प्रदान करता है।

दोनों तालिकाओं के समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि करियर निर्देशन केवल करियर चयन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, तार्किक सोच एवं निर्णय क्षमता के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अध्ययन यह संकेत करता है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में व्यवस्थित करियर निर्देशन एवं परामर्श सेवाओं की उपलब्धता विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है।

परिणाम

प्रस्तुत अध्ययन "उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों में करियर निर्देशन एवं निर्णय क्षमता का अध्ययन" के अंतर्गत उपलब्ध साहित्य, शोध अध्ययनों तथा सैद्धांतिक तथ्यों के विश्लेषण के आधार पर अनेक महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त हुए। अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि करियर निर्देशन उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक एवं उपयोगी प्रक्रिया है। यह न केवल विद्यार्थियों को उपयुक्त करियर चयन में सहायता प्रदान

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

करता है, बल्कि उनकी निर्णय क्षमता, आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व विकास को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

अध्ययन के प्रथम उद्देश्य "उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों में करियर निर्देशन की भूमिका का अध्ययन" के संदर्भ में यह पाया गया कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों में करियर जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान समय में करियर विकल्पों की बढ़ती संख्या के कारण विद्यार्थी अनेक बार भ्रम की स्थिति में आ जाते हैं। उचित निर्देशन एवं परामर्श उन्हें विभिन्न व्यवसायों, रोजगार अवसरों तथा आवश्यक योग्यताओं की जानकारी प्रदान करता है। इससे विद्यार्थी अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप सही करियर का चयन करने में सक्षम होते हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों में लक्ष्य निर्धारण की क्षमता विकसित करता है तथा उन्हें अपने भविष्य के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण प्रदान करता है।

अध्ययन के दौरान यह निष्कर्ष भी प्राप्त हुआ कि करियर परामर्श विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होता है। जिन विद्यार्थियों को समय-समय पर उचित मार्गदर्शन प्राप्त होता है, वे अपने निर्णय अधिक आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच के साथ लेते हैं। इसके विपरीत, उचित मार्गदर्शन के अभाव में विद्यार्थी असमंजस एवं तनाव की स्थिति का अनुभव करते हैं। अध्ययन में यह भी स्पष्ट हुआ कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों को उनकी व्यक्तिगत रुचियों, अभिरुचियों एवं क्षमताओं की पहचान करने में सहायता करता है, जिससे वे अपने लिए उपयुक्त क्षेत्र का चयन कर पाते हैं।

द्वितीय उद्देश्य "विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता पर करियर निर्देशन के प्रभाव का अध्ययन" के अंतर्गत यह पाया गया कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। अध्ययन से ज्ञात हुआ कि उचित परामर्श प्राप्त करने वाले विद्यार्थी तार्किक एवं विवेकपूर्ण निर्णय लेने में अधिक सक्षम होते हैं। वे विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण कर उनके लाभ एवं सीमाओं को समझने के पश्चात निर्णय लेते हैं। इससे उनके निर्णय अधिक प्रभावी एवं भविष्य के लिए लाभकारी सिद्ध होते हैं।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों की समस्या समाधान क्षमता को विकसित करता है। उच्च शिक्षा के दौरान विद्यार्थियों को विषय चयन, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार अवसरों एवं व्यावसायिक भविष्य से संबंधित अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उचित मार्गदर्शन उन्हें इन समस्याओं का समाधान खोजने में सहायता प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त अध्ययन में यह निष्कर्ष भी प्राप्त हुआ कि करियर परामर्श विद्यार्थियों में भविष्य नियोजन की क्षमता विकसित करता है तथा उन्हें अपने जीवन के लक्ष्यों को व्यवस्थित ढंग से प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है।

प्रस्तुत अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षा संस्थानों में व्यवस्थित करियर निर्देशन एवं परामर्श सेवाओं की अत्यधिक आवश्यकता है। अनेक शिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षित परामर्शदाताओं एवं करियर मार्गदर्शन केंद्रों का अभाव पाया गया, जिसके कारण विद्यार्थी उचित जानकारी प्राप्त नहीं कर पाते। अध्ययन के अनुसार यदि महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में नियमित करियर परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ, तो विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता एवं रोजगार क्षमता में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है।

इस प्रकार अध्ययन के परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है कि करियर निर्देशन उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों के समग्र विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। यह विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान कर उनके भविष्य को सुरक्षित एवं सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

निष्कर्ष

अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि करियर निर्देशन उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह न केवल करियर चयन में सहायता करता है बल्कि विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता, आत्मविश्वास एवं लक्ष्य निर्धारण क्षमता को भी विकसित करता है। वर्तमान समय में सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रभावी निर्देशन एवं परामर्श सेवाओं की व्यवस्था की जानी चाहिए।प्रस्तुत अध्ययन "उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों में करियर निर्देशन एवं निर्णय क्षमता का अध्ययन" के अंतर्गत निर्धारित दोनों उद्देश्यों के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों के शैक्षिक एवं व्यावसायिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अध्ययन के प्रथम उद्देश्य "उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों में करियर निर्देशन की भूमिका का अध्ययन" के संदर्भ में यह स्पष्ट हुआ कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों में करियर जागरूकता, लक्ष्य निर्धारण, आत्मविश्वास विकास तथा रोजगार संबंधी जानकारी प्रदान करने में प्रभावी सिद्ध होता है। उचित मार्गदर्शन विद्यार्थियों को उनकी रुचि, योग्यता एवं क्षमता के अनुसार उपयुक्त करियर चयन करने में सहायता प्रदान करता है। अध्ययन से यह भी ज्ञात हुआ कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों को भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने एवं अपने जीवन के उद्देश्यों को स्पष्ट करने में सहायक होता है।

द्वितीय उद्देश्य "विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता पर करियर निर्देशन के प्रभाव का अध्ययन" के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। उचित परामर्श प्राप्त करने वाले विद्यार्थी तार्किक एवं आत्मविश्वासपूर्ण निर्णय लेने में अधिक सक्षम पाए गए। अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि करियर निर्देशन विद्यार्थियों में आत्मनिर्णय क्षमता, समस्या समाधान क्षमता तथा भविष्य नियोजन की योग्यता का विकास करता है। इसके माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण कर उचित निर्णय लेने में समर्थ बनते हैं।

अध्ययन के समग्र निष्कर्षों से यह स्पष्ट होता है कि करियर निर्देशन केवल करियर चयन की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास, मानसिक सुदृढ़ता एवं आत्मविश्वास वृद्धि का महत्वपूर्ण माध्यम है। वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक एवं तकनीकी युग में उच्च शिक्षा संस्थानों में व्यवस्थित एवं प्रभावी करियर निर्देशन एवं परामर्श सेवाओं की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है, ताकि विद्यार्थी अपने भविष्य संबंधी निर्णय सही दिशा में लेकर सफल एवं संतुलित जीवन व्यतीत कर सकें।

सुझाव

1. महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में नियमित करियर परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।
2. विद्यार्थियों को विभिन्न रोजगार अवसरों की जानकारी प्रदान की जानी चाहिए।
3. विशेषज्ञ परामर्शदाताओं की नियुक्ति की जानी चाहिए।
4. विद्यार्थियों की रुचि एवं योग्यता के अनुसार मार्गदर्शन प्रदान किया जाना चाहिए।

संदर्भ सूची

1. अग्रवाल, एस. (2021). *करियर निर्देशन एवं व्यक्तित्व विकास.* नई दिल्ली: दीप प्रकाशन।
2. भारद्वाज, आर., एवं शर्मा, पी. (2020). विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता पर करियर परामर्श का प्रभाव। *भारतीय शिक्षा पत्रिका,* 15(2), 45-53।

3. चौधरी, के. (2022). विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता एवं परामर्श सेवाएँ। *भारतीय शिक्षा समीक्षा*, 8(2), 21-28।
4. दुबे, एम. (2022). *उच्च शिक्षा में करियर मार्गदर्शन की आवश्यकता*. भोपाल: शिक्षा प्रकाशन।
5. गुप्ता, एम. (2019). *विद्यार्थी एवं करियर विकास*. जयपुर: साहित्य भवन।
6. जोशी, डी., एवं पटेल, आर. (2020). डिजिटल युग में करियर परामर्श की उपयोगिता। *समकालीन शिक्षा अध्ययन*, 12(1), 33-40।
7. खान, ए., एवं अली, एस. (2021). विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच एवं करियर निर्देशन। *शिक्षा और समाज*, 9(3), 18-25।
8. कुमार, वी. (2019). सामाजिक एवं आर्थिक कारकों का विद्यार्थियों के करियर निर्णयों पर प्रभाव। *भारतीय मनोविज्ञान समीक्षा*, 11(4), 50-57।
9. मेहता, आर. (2018). *उच्च शिक्षा एवं करियर चयन की समस्याएँ*. इंदौर: ज्ञानदीप प्रकाशन।
10. मिश्रा, एस., एवं तिवारी, ए. (2018). उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों में करियर जागरूकता का अध्ययन। *शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका*, 14(2), 61-69।
11. NCERT. (2021). *शिक्षा में निर्देशन एवं परामर्श*. नई दिल्ली: एनसीईआरटी।
12. पाण्डेय, एल. (2021). उच्च शिक्षा संस्थानों में करियर परामर्श सेवाओं की स्थिति। *भारतीय उच्च शिक्षा समीक्षा*, 10(1), 29-36।
13. राव, पी., एवं नायर, के. (2019). ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की करियर जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन। *ग्रामीण शिक्षा जर्नल*, 7(2), 40-48।
14. सक्सेना, एन., एवं जैन, आर. (2022). विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में करियर निर्देशन की भूमिका। *आधुनिक शिक्षा अध्ययन*, 13(3), 55-63।
15. शर्मा, आर. (2020). *शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श*. नई दिल्ली: राधा प्रकाशन।
16. शुक्ला, पी. (2020). विद्यार्थियों की निर्णय क्षमता एवं आत्मविश्वास का अध्ययन। *मनोवैज्ञानिक शोध पत्रिका*, 6(1), 24-31।
17. सिंह, डी., एवं चौहान, एम. (2018). तार्किक निर्णय क्षमता पर करियर निर्देशन का प्रभाव। *भारतीय शिक्षा एवं मनोविज्ञान जर्नल*, 5(4), 70-78।
18. ताम्रकार, एस., एवं सेन, वी. (2022). रोजगार क्षमता विकास में करियर निर्देशन की भूमिका। *व्यावसायिक शिक्षा समीक्षा*, 9(2), 42-49।
19. वर्मा, एस., एवं सिंह, पी. (2021). उच्च शिक्षा में करियर परामर्श की भूमिका। *शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका*, 12(3), 45-52।
20. यादव, के. (2019). विद्यार्थियों की रुचि एवं योग्यता आधारित करियर चयन। *भारतीय शिक्षा दर्शन*, 8(2), 15-22।